इको फ्रेंडली गणेश जी प्रशिक्षण आज से

बड़वानी। जिले में 18 अगस्त से इको फ्रेंडली गणेश जी प्रशिक्षण प्रारंभ किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत मिट्टी, सुपारी, काजू और अखरोट से गणेश जी की प्रतिमा बनाना सिखाया जाएगा। अखिल विश्व गायत्री परिवार के युवा प्रकोष्ठ जिला समन्वयक लखन विश्वकर्मा ने बताया कि इस गणेश उत्सव पर 25 हजार घरों में इको फ्रेंडली गणेश जी की प्रतिमा विराजित की जाएगी। इसके लिए अखिल विश्व गायत्री परिवार और नर्मदा समग्र मप्र जन अभियान परिषद सोमवार से उक्त अभियान प्रारंभ करेगी। अभियान के अन्तर्गत स्कूल, कॉलेज एवं मोहल्लों में सदस्य इको फ्रेंडली गणेश प्रतिमा बनाने का प्रशिक्षण देंगे। जिसमें मिट्टी, सुपारी, सूखे मेवे, नारियल एवं कलावा सहित अन्य धातु से बनी प्रतिमा का शास्त्रोक्त महत्व बताया जाएगा। लखन विश्वकर्मा ने कहा कि 27 अगस्त से शुरू हो रहे गणेश उत्सव में गायत्री परिवार और नर्मदा समग्र 25 हजार इको फ्रेंडली गणेश जी स्थापित करने का लक्ष्य रखा है। गायत्री परिवार द्वारा लोगों को प्रतिमाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। वहीं जागरूकता के लिए पर्यावरण की एक लघु फिल्म दिखाएंगे। पाम्प्लेट्स वितरित किए जाएंगे। मोहल्लों में पर्यावरण दीप यज्ञ कर धर्म तंत्र से लोक शिक्षण के तहत गणेश स्थापना की विधि बताई जाएगी। गायत्री परिवार, ब्राह्मण समाज, साकार नवशक्ति, रोटरी क्लब लायंस क्लब एवं अन्य सामाजिक संस्थाओं ने मिट्टी की प्रतिमा स्थापित कराने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाएगा।

केंद्रीय जेल में धूमधाम से मनाया जन्माष्टमी पर्व

बड़वानी। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर शुक्रवार शाम केंद्रीय जेल में भव्य सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन हुआ। शाम 5 बजे से प्रारंभ हुए कार्यक्रम में बंदियों ने अपनी प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए कृष्ण भजन प्रस्तुत किए तथा द्यूत क्रिया पर आधारित नाट्य मंचन किया। इस नाटक में नशे और अन्य व्यसनों से होने वाले विनाशकारी परिणामों को चित्रित करते हुए समाज को इन बुराइयों से दूर रहने का प्रेरणादायक संदेश दिया। नाट्य मंचन और भक्ति गीतों ने समूचे वातावरण को भक्ति भाव से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम में श्रीकृष्ण जाप से पूरा परिसर गूंज उठा। मुख्य अतिथि के रूप में सांसद गजेन्द्र सिंह पटेल उपस्थित रहे। आकर्षक झांकी का अनावरण एवं भगवान श्रीकृष्ण जन्म की झलक प्रस्तुत की। कार्यक्रम का संचालन विनय काबरा सहायक जेल अधीक्षक ने किया। इस अवसर पर जेल अधीक्षक शेफाली तिवारी, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र जाट, मिथुन यादव, विजय वास्कले, शिवम मिश्रा, जेल अधीक्षक राधेश्याम वर्मा, संस्कृता जोशी, सहायक जेल अधीक्षक दिनकर पाटिल, विक्रम पाटीदार, रुमालसिंह अलावा, मुख्य प्रहरी, जेल स्टॉफ तथा बंदी

जलगोन में निर्माणाधीन पुलिया क्षतिग्रस्त

निर्माण के पहले से ही ग्रामीणों ने की थी शिकायत, किसानों को पहुंचा नुकसान, मुआवजे की उठाई मांग

पानसेमल, (नवभारत)। जनपद क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम जलगोन में करीब 25 लाख रुपए की लागत से बन रहे पुलिया की गलत डिजाइन के बनाने एवं बारिश के पानी आने से क्षतिग्रस्त होने पर नाराजगी जाहिर की है। साथ ही निर्माण कार्य की जांच सही तरीके से करने की मांग की है। मौके पर मौजूद कपलेश्वर पाटिल ने बताया कि ग्राम के सुरेश विक्रम पाटिल, कपलेश्वर रंगराव पाटिल, दिलीप हंसराज पाटिल, वामन कोली, रविन्द्र युवराज माली, दशरथ नारायण पाटिल, ज्ञानू प्रजापत के खेतों में पानी घुसने से फसल का नुकसान हुआ है। जिसका उचित मुआवजा मिलना चाहिए।

ग्राम की महिलाओं ने भी पंचायत के जिम्मेदारों पर अनदेखी करने के आरोप लगाते हुए कहा कि खोल गली में गंदगी पसरी हुई है। कई बार उन्हें साफ-सफाई करने को कहा गया, लेकिन अभी तक किसी ने सूध नहीं ली है। नालियों में पानी की निकासी नहीं होने से ग्राम के विभिन्न मार्गों में पानी भर गया था। ग्राम के ही रमेश भीमराव पाटिल ने जानकारी दी कि उनके पशु घर में रखा खाद और पशु चारा भी बह गया है। तेज बहाव के कारण आसपास कटाव भी हो गया है, ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया के गलत निर्माण होने से पानी के बहाव तेज होने से किसानों को नुकसान पहुंचा है निर्माण कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों द्वारा सवाल उठाए गए हैं ग्राम के सहायक सचिव रतिलाल बर्डे से फोन पर जानकारी लेने पर बताया कि पुलिया का निर्माण मुख्यमंत्री अधोसंरचना योजना के तहत किया जा रहा था, जिसकी करीब 60 प्रतिशत राशि निकाली गई है। साथ ही पुलिया का निर्माण प्रगतिरत था। वहीं अब यह जांच के बाद ही पता चल पाएगा कि किन कारणों से पुलिया क्षतिग्रस्त हुआ और किसानों को कितना नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर पानसेमल क्षेत्र में तेज बारिश के कारण गोमाई नदी पर उफान नजर आया। शनि मंदिर के निकट तक पानी पहुंच गया था और नदी पर शनि मंदिर के पास बनाई गई पुलिया पर बड़े पुल के पास रपट के ऊपर से पानी बह रहा था। पूर्व सरपंच मोंटा खेड़कर ने बताया कि ग्राम वांगरा एवं आसपास तेज वर्षा से कुछ किसानों के खेतों में पानी भरने से नुकसान भी हुआ है। लालसिंह मोरे ने जानकारी दी कि ग्राम पंचायत मोयदा के बामणिया फलिया का पुलिया क्षतिग्रस्त हो गया। यह पुलिया शिवनी, झेंडिया कुंडिया सहित छोटे फलिया तक जाने के मार्ग जोड़ता है। साथ ही भावसार तेरसिंह मोरे के खेत स्थित मकान में पानी घुसने से खाने पीने एवं उर्वरक खाद को नुकसान पहुंचा है। आवश्यक घरेलू सामग्री को भी नुकसान पहुंचा है। तहसीलदार सुनील सिसोदिया ने बताया कि अभी तक क्षेत्र में करीब 75 मिमी (2.95 इंच) वर्षा हो चुकी है। उच्च अधिकारियों के मार्गदर्शन में क्षेत्रवासियों को आवश्यक एहतियात बरतने को कहा गया है।

ग्रामीणों ने उठाए सवाल

- ग्रामीणों ने निर्माण की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए हैं।
- तेज बारिश से गोमाई नदी पर नज़र आया उफान।

बैंक में भर्ती के लिए निकली वैकेंसी

बड़वानी। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने जूनियर एसोसिएट (क्लर्क) भर्ती 2025 के लिए आधिकारिक नोटिफिकेशन 6 अगस्त 2025 को जारी किया है। यह भर्ती बैंकिंग क्षेत्र में क्लेरिकल पदों पर कार्य करने के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए सुनहरा अवसर प्रदान करती है। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शभीना शास स्नातकोत्तर महा के कॅरियर सेल ने बताया कि एसबीआई जूनियर एसोसिएट भर्ती में कुल 6589 रिक्तियां हैं। जिसमें 5180 नियमित और 1409 बैकलॉग पद शामिल हैं। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और 26 अगस्त तक चलेगी। उम्मीदवारों को किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक डिग्री होनी चाहिए। आयु सीमा 20 से 28 वर्ष (1 अप्रैल 2025 तक) निर्धारित है। अभ्यर्थियों को कॅरियर सेल नि:शुल्क मार्गदर्शन और काउंसलिंग दिया जा रहा है।

गणेश चतुर्थी की तैयारियों में जुटे कलाकार

बड़वानी, (नवभारत)। गणेश चतुर्थी की तैयारी शहर में पूरे जोरों पर है और इस बार शहर में होने जा रही है कुछ खास और अनोखी प्रस्तुतियां। जो ना केवल धार्मिक भावना से जुड़ी होंगी, बल्कि स्थानीय कला और संस्कृति की गहराई को भी दर्शाएंगी।

एमजी रोड़ पर भावेश डांस ग्रुप के बाल कलाकार एक यादगार मंचन के लिए दिन-रात मेहनत कर रहे हैं। नृत्य निर्देशक भावेश यादव के नेतृत्व में, यह ग्रुप हर दिन 2 से 3 घंटे तक कड़ी प्रैक्टिस कर रहा है। भावेश यादव डांस ग्रुप को बड़वानी में एक सभ्य और अनुशासित डांस ग्रुप के रूप में जाना जाता है। जो हर बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों में विशेष आमंत्रित होता है। इस बार की प्रस्तुति सिर्फ मनोरंजन नहीं, बल्कि संस्कृति और

एक नजर में नगर में लगातार हो रही बारिश से वार्ड क्रं. 6 और 7 में लोगों के घरों में घुसा पानी

बारिश से अनाज व खाद्य सामग्री जलमग्न

नवभारत न्यूज़
निवाली 18 अगस्त.

नगर में बीती रात से हो रही लगातार बारिश में नगर के वार्ड क्रं. 6 एवं 7 में लोगों के घरों में बारिश का पानी घुसा। लोगों के अनाज व खाद्य सामग्री जलमग्न हो गई। वहीं किसी ने मोटर लगा के बारिश का पानी घर से निकाला तो किसी ने बाल्टियों से। नगर में कई जगह पर टापू बन गया। वहीं मुनिया कॉलोनी स्थित एक मकान पर बिजली गिरी, जिससे मकान की चद्दर क्षतिग्रस्त हो गई। गुमड़िया रोड़ स्थित 10 से 15 घरों में बारिश का पानी घुसने से काफी नुकसान हो गया।

पानी की निकासी नहीं होने से कई कॉलोनिया जलमग्न हो गई। वहीं नगर की धोबड़िया नदी में काफी उफान देखने को मिला। सातमात्रा स्थिति नाले के पुलिये के ऊपर से बारिश का पानी जा रहा था। लोग जरूरत की चीजें जैसे अनाज वगेरा पीसने पुलिये को पार करते नजर आए। इस दौरान अपनी जान हथेली पर रखकर लोग पुलिया पार करते रहे। वहीं नगर के मुक्ति धाम पर बन रहे भवन की दीवार गिरी। नगर में दो दिनों से हो रही मूसलाधार बारिश से लोग परेशान होते दिखाई दिए।

आवागमन रहा बंद

वहीं दूसरी ओर बारिश का पानी पुलियाओं के ऊपर और नदी नाले उफान पर होने से कई घंटों तक नगर से ग्रामीण स्तरों का आवागमन बंद रहा। खबर लिखे जाने तक बारिश का दौर जारी रहा।

एक नजर में

अलीजा सरकार सजे श्रीनाथजी के मनोहरी स्वरूप में

इंदौर. भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव का पावन पर्व जन्माष्टमी इन्दौर के पंचकुईया इलाके में स्थित सिद्ध पीठ श्री वीर अलीजा हनुमान मंदिर पर मनाया गया. शनिवार सुबह से ही अलीजा सरकार के श्रीनाथजी के मनोहरी स्वरूप के दर्शनों के लिए भक्तों का ताँता लगा रहा. उल्लेखनीय है कि जन्माष्टमी के अवसर पर अलीजा सरकार को श्रीनाथजी स्वरूप में श्रृगांरित किया गया ।इस अवसर पर बनाई गई उनकी विशाल हवेली के वज़ह से भव्यता बढ़ने के साथ मनोहरी हो कर भक्तों को अपनी ओर आकर्षित कर करती रही. जन्माष्टमी के अवसर पर पंचकुईया स्थित वीर आलीजा सरकार मंदिर को विशेष साज सज्जा के साथ श्रंगारित किया गया है. साथ ही अलीजा सरकार को भी श्रीनाथ जी स्वरूप में श्रृंगारत किया गया है. शनिवार को प्रात: आठ बजे से भक्तगण दर्शन का लाभ उठाते रहे. रात्रि में आठ बजे से कीर्तन एवं प्रसादी का वितरण हुआ. बड़ी संख्या में भक्तगण भी इस अवसर पर उपस्थित रहे द्य पूरा मंदिर कृष्णमय हो गयाद्य इस अवसर पर लड्डु गोपाल का अभिषेक किया गया द्य रात्री में श्री कृष्ण की आरती और जन्मोत्सव मनाया गया. लड्डु गोपाल को झूले में झूलाने की प्रकिया भी भक्तिभाव से सम्पन्न हुई. प्रसाद वितरण के साथ इस अवसर पर मटकी फोड़ का भी आयोजन किया गया,. जिसमें छोटे छोटे बटुकों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए मटकी फोडने का आन्नद उठाया.

घर-घर में कान्हा को पालने में भी झुलाया

महू. रात के 12 जैसे ही बजे.., वैसे ही घंटियों की गूंज सुनाई देने लगी.., शंख की आवाज बजते ही मंदिरों में जय श्रीकृष्णा जय श्री कृष्णा के जयकारें गूंजने लगे। घंटे-घडियाल और बाजे-गाजे के साथ महाआरती धूमधाम से हुई। आस्था का सैलाब इस कदर उमड़ा कि मंदिरों में दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का देर रात तक तांता लगा रहा. कहीं मखन मिश्री बटी, तो कहीं फरयाली खिचड़ी बांटी गई। पूरा शहर दुधिया रोशनी में जगमग हो उठा. शनिवार को बाल गोपाल के जन्मोत्सव यानि श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का जश्न पूरे शहर में छाया रहा। देर शाम से ही मंदिरों में अनुष्ठानों के दौर शुरू हो गए। जो देर रात श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव तक चलते रहे। शहर के सांघी स्ट्रीट स्थित गोपाल मंदिर से लेकर मेन स्ट्रीट स्थित लक्ष्मीनारायण मंदिर तक देर रात तक मेला लगा रहा। गोपाल मंदिर पर जहां विशेष साज-सज्जा कर श्रीकृष्ण को पालने में झुलाया, वहीं आनंद बिहारी मंदिर, पिप्लेश्वर गणेश मंदिर, प्लाउडन रोड स्थित श्रीराम मंदिर पर विशेष झांकी सजाई गई. रात 12 बजे से ही शहरभर के मंदिरों में श्रीकृष्ण (नंद गोपाल) का पंचामृत से जलाभिषेक किया गया। इसके बाद उन्हें पालने में झुला झुलाया गया। हर कोई श्रद्धालु उन्हें झुला झुलाने में आतुर था। मंदिरों में महाआरती के बाद माखन मिश्री, पंचामृत, पंजीरी का प्रसाद बांटा गया। मंदिरों में दर्शन के बाद शहरवासियों ने अपने-अपने घरों में नंदगोपाल को झूले में झुलाकर विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की. लुनियापुरा स्थित राधाकृष्ण मंदिर से अहिर यादव समाज ने पालकी यात्रा निकाली ।इस पालकी यात्रा में रथ पर सवार बच्चे श्रीकृष्ण के वेश में सजे आकर्षण का केंद्र रहे। पालकी में बाल-गोपाल को विराजित किया गया, जिन्होंने पूरे शहर का दौरा किय.

नंद घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की...

इंदौर. रात को घड़ी की सुइयों ने जैसे ही 12 के अंक को छुआ हर ओर नंद के घर आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के उद्घोष गूंज उठे. घंटे-घड़ियाल गूंजे और आरती की गई. शहर के यशोदा मंदिर सहित अन्य कृष्ण मंदिरों में जन्म उत्सव मनाया गया. भगवान की आरती की गई और धनिया पंजीरी का प्रसाद वितरित किया गया. वहीं भगवान के दर्शनों को भक्तों की कतारे लगी रही. कई मंदिरों में भगवान को झूला झुलाने के लिए श्रद्धालु ललायित नजर आए. इसके पहले शुक्रवार रात शहर के बांके बिहारी और गोपाल मंदिर में और भगवान श्रीकृष्ण के जन्मदिन मनाया गया. यशोदा मंदिर खजूरी बाजार, जानकीनाथ मंदिर गोराकुंड, गोवर्धननाथ मंदिर, मल्हारगंज में विशेष आयोजन किए गए. भगवान की झांकी भी सजाई गई

विद्याधाम कदम्ब के फूलों से सजाई गई झांकी- विमानतल मार्ग स्थित श्री श्रीविद्याधाम पर श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव शुक्रवार को स्मार्त मतानुसार धूमधाम से मनाया गया. आश्रम के महामंडलेश्वर स्वामी चिन्मयानंद सरस्वती के सानिध्य में सुबह एवं दोपहर को हरियाली, कदम्ब के फूल एवं फूलों से भगवान की आकर्षक झांकी सजाई गई।

शनिवार को मंदिर पर नंदोत्सव की धूम बनी रही. आश्रम परिवार के सुरेश शाहरा, पं. दिनेश शर्मा एवं राजेन्द्र महाजन ने बताया कि पं. लोकेश शर्मा एवं उनके साथियों ने भगवान के जन्म एवं यमुना में नौका विहार की झांकी को कदम्ब के फूलों और अन्य हरे-भरे पत्तों से बहुत आकर्षक ढंग से श्रृंगारित किया. संध्या को 21 विद्वानों द्वारा आचार्य पं. राजेश शर्मा के निर्देशन में भगवान कृष्ण का तुलसी दल, सफेद तिल्ली एवं पुष्पों से सहस्त्रार्चन किया गया. षोडशोपचार पूजन, गोदुग्ध से अभिषेक एवं श्रृंगार के बाद रात्रि ठीक 12 बजे जन्मोत्सव की आरती हुई. भगवान को पुष्पों से सज्जित झूले में झुलाया गया। सैकड़ों भक्तों ने मंदिर आकर भगवान को झुलाने का पुण्य लाभ उठाया.शनिवार को मंदिर पर नंदोत्सव भी उत्साह के साथ मनाया गया।

हंसदास मठ पर झांकी बनी आकर्षण

पीलिया खाल स्थित प्राचीन हंसदास मठ पर जन्माष्टमी का महापर्व हंस पीठाधीश्वर श्रीमहंत रामचरणदास महाराज के सानिध्य एवं महामंडलेश्वर महंत पवनदास महाराज के मार्गदर्शन में धूमधाम से

मनाया गया. सुबह से आधी रात तक भक्तों का मेला जुटा रहा. मठ स्थित भगवान रणछोड़जी का नारायण स्वरूप में श्रृंगार तो दर्शनीय था ही, दो अन्य आकर्षक झांकियां भी भक्तों को खूब पसंद आई. इनमें समुद्र मंथन एवं गजेन्द्र मोक्ष के साथ ही भगवान कृष्ण के यमुना पार करते हुए झांकी तथा झूले में विराजित लड्डू गोपाल को झुलाने की झांकी भी आकर्षक विद्युत एवं पुष्प सज्जा से श्रृंगारित थी. मठ के पं अमित दास ने बताया कि रात 11.30 बजे से भक्तों को खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया. इसके बाद भगवान पद्मनाभ स्वरूप शालिग्रामजी का पंचामृत अभिषेक हुआ और रात ठीक 12 बजे कृष्ण जन्मोत्सव की महाआरती के बाद पंजेरी प्रसाद वितरण के साथ समापन हुआ। सुबह से मध्य रात्रि तक 50 हजार से अधिक भक्तों ने इन झांकियों का पुण्य लाभ उठाया.

इस्कॉन मंदिर में राधा-गोविंद की झलक को उमड़ता सैलाब- निपानिया स्थित इस्कॉन मंदिर पर चल रहे श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में भगवान राधा-गोविंद के दर्शन की एक झलक

पाने के लिए भक्तों का सैलाब पूरे दिन बना रहा। सुबह अनेक भक्तों ने कलश सेवा में शामिल होकर पंचामृत से भगवान राधा-गोविंद का अभिषेक किया, वहीं संध्या को मंदिर के विद्वान आचार्यों ने जन्म के पूर्व षोडशोपचार पूजन एवं अभिषेक किया।

भगवान के जन्म की पूर्व बेला में शाम 6 बजे से ही भक्तों का मेला जुटने लगा था, जो मध्य रात्रि में जन्मोत्सव आरती तक बना रहा. विदेशों से आए श्रद्धालु भी इस महोत्सव में शामिल हुए, स्कॉन इंदौर के अध्यक्ष स्वामी महामनदास ने बताया कि सुबह मंत्री तुलसी सिलावट ने अपने परिवार सहित मंदिर पहुंचकर भगवान राधा गोविंद का अभिषेक किया और मंदिर परिसर स्थित तालाब को पर्यटन स्थल के रूप में विकसत करने हेतु राज्य सरकार की ओर से 2 करोड़ 17 लाख रुपए की परियोजना को मंजूर करने की घोषणा की। मंत्री तुलसी सिलावट ने यह जानकारी दी तो भक्तों में हर्ष की लहर दौड़ गई। इस अवसर पर भक्त मंडल के हरि अग्रवाल, शैलेन्द्र मित्तल, किशोर गोयल एवं अशोक गोयल ने सिलावट एवं अन्य मेहमानों का स्वागत किया. दूसरी ओर आज जन्माष्टमी के उपलक्ष्य में स्वामी महामनदास एवं अन्य पंडितों ने शंख में पंचामृत भरकर राधा गोविंद के लघु विग्रह का अभिषेक कराया।

विजय नगर चौराहा स्थित श्री ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव- विजय नगर चौराहा स्थित श्री ग्वाल भैरव कालका माता मंदिर में जन्माष्टमी महोत्सव का भव्य आयोजन हर्ष एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ. मंदिर के मुख्य पुजारी राहुल यादव ने बताया कि इस शुभ अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के दरबार को पुष्पों से अलंकृत कर मोर रूप सज्जा की गई, जो भक्तों के लिए मुख्य आकर्षण का केंद्र रही. कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 7 बजे हुआ, जिसमें भजन संध्या, छप्पन भोग अर्पण एवं महाप्रसादी वितरण विशेष रूप से शामिल रहे. सुप्रसिद्ध भजन गायक आचार्य देवराज शर्मा ने अपने मधुर भजनों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया. रात्रि 12 बजे भगवान श्रीकृष्ण जन्मोत्सव मनाया गया एवं विशेष आरती का आयोजन हुआ, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया.